

---

# Shri Bhadrakali Ashtottara ShatanAma Stotram

---

## श्रीभद्रकाल्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

---

### Document Information

Text title : bhadrakAlyaShTottaraShatanAmastotram

File name : bhadrakAlyaShTottaraShatanAmastotram.itx

Category : devii, dashamahAvidya, aShTottaraShatanAma, devI

Location : doc\_devii

Transliterated by : Gowri Sanker Rupakula gowrishankerr at gmail.com

Proofread by : Gowri Sanker Rupakula gowrishankerr at gmail.com, NA

Latest update : December 20, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 16, 2023

*sanskritdocuments.org*

---


## श्रीभद्रकाल्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्




श्रीनन्दिकेश्वर उवाच -  
भद्रकाली कामरूपा महाविद्या यशस्विनी ।  
महाश्रया महाभागा दक्षयागविभेदिनी ॥ १ ॥  
रुद्रकोपसमुद्भूता भद्रा मुद्रा शिवङ्करी ।  
चन्द्रिका चन्द्रवदना रोषताम्राक्षशोभिनी ॥ २ ॥  
इन्द्रादिदमनी शान्ता चन्द्रलेखाविभूषिता ।  
भक्तार्तिहारिणी मुक्ता चण्डिकानन्ददायिनी ॥ ३ ॥  
सौदामिनी सुधामूर्तिः दिव्यालङ्कारभूषिता ।  
सुवासिनी सुनासा च त्रिकालज्ञा धुरन्धरा ॥ ४ ॥  
सर्वज्ञा सर्वलोकेशी देवयोनिरयोनिजा ।  
निर्गुणा निरहङ्कारा लोककल्याणकारिणी ॥ ५ ॥  
सर्वलोकप्रिया गौरी सर्वगर्वविमर्दिनी ।  
तेजोवती महामाता कोटिसूर्यसमप्रभा ॥ ६ ॥  
वीरभद्रकृतानन्दभोगिनी वीरसेविता ।  
नारदादिमुनिस्तुत्या नित्या सत्या तपस्विनी ॥ ७ ॥  
ज्ञानरूपा कलातीता भक्ताभीष्टफलप्रदा ।  
कैलासनिलया शुभ्रा क्षमा श्रीः सर्वमङ्गला ॥ ८ ॥  
सिद्धविद्या महाशक्तिः कामिनी पद्मलोचना ॥  
देवप्रिया दैत्यहन्त्री दक्षगर्वापहारिणी ॥ ९ ॥  
शिवशासनकर्त्री च शैवानन्दविधायिनी ।  
भवपाशनिहन्त्री च सवनाङ्गसुकारिणी ॥ १० ॥  
लम्बोदरी महाकाली भीषणास्या सुरेश्वरी ।

महानिद्रा योगनिद्रा प्रज्ञा वार्ता क्रियावती ॥ ११ ॥  
पुत्रपौत्रप्रदा साध्वी सेनायुद्धसुकाङ्क्षिणी ॥ १२ ॥ (missing line)  
इच्छा भगवती माया दुर्गा नीला मनोगतिः ।  
खेचरी खङ्गिनी चक्रहस्ता शुलविधारिणी ॥ १३ ॥  
सुवाणा शक्तिहस्ता च पादसञ्चारिणी परा ।  
तपःसिद्धिप्रदा देवी वीरभद्रसहायिनी ॥ १४ ॥  
धनधान्यकरी विश्वा मनोमालिन्यहारिणी ।  
सुनक्षत्रोद्भवकरी वंशवृद्धिप्रदायिनी ॥ १५ ॥  
ब्रह्मादिसुरसंसेव्या शाङ्करी प्रियभाषिणी ।  
भूतप्रेतपिशाचादिहारिणी सुमनस्विनी ॥ १६ ॥  
पुण्यक्षेत्रकृतावासा प्रत्यक्षपरमेश्वरी ।  
एवं नाम्नां भद्रकाल्याः शतमष्टोत्तरं विदुः ॥ १७ ॥  
पुण्यं यशो दीर्घमायुः पुत्रपौत्रं धनं बहु ।  
ददाति देवी तस्याशु यः पठेत् स्तोत्रमुत्तमम् ॥ १८ ॥  
भौमवारे भृगौ चैव पौर्णमास्यां विशेषतः ।  
प्रातः स्नात्वा नित्यकर्म विधाय च सुभक्तिमान् ॥ १९ ॥  
वीरभद्रालये भद्रां सम्पूज्य सुरसेविताम् ।  
पठेत् स्तोत्रमिदं दिव्यं नाना भोगप्रदं शुभम् ॥ २० ॥  
अभीष्टसिद्धिं प्राप्नोति शीघ्रं विद्वान् परन्तप ।  
अथवा स्वगृहे वीरभद्रपत्नीं समर्चयेत् ॥ २१ ॥  
स्तोत्रेणानेन विधिवत् सर्वान् कामानवाप्नुयात् ।  
रोगा नश्यन्ति तस्याशु योगसिद्धिं च विन्दति ॥ २२ ॥  
सनत्कुमारभक्तानामिदं स्तोत्रं प्रबोधय ॥  
रहस्यं सारभूतं च सर्वज्ञः सम्भविष्यसि ॥ २३ ॥  
इति श्रीभद्रकाल्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Gowri Sanker Rupakula gowrishankerr at gmail.com

——  
*Shri Bhadrakali Ashtottara ShatanAma Stotram*  
pdf was typeset on September 16, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

